प्रश्न १. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

(क) कॉण्डों में बिनकर पूर्णों ने क्या सीखा?

(ख) मनुष्य को समान रूप से निमंत्रित वाली छः वस्तुओं के नाम लिखिए।

(ग) राष्ट्रीय झंडे पर बने वटके में परिवर्तन क्यों किया गया?

(घ) हमारा राष्ट्रीय झंडा क्या संदेश देता है?

(ड) बाबा भारती चोड़े की बात क्या व्याख्यात कहाँ रहने लेने थे?

(व) बाबा चोड़े क्यों नहीं देना चाहते थे?

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (9)

(क) हमारे राष्ट्रीय झंडे के बारे में क्या भ्रम उत्पन्न किया जा रहे है?

(ख) 'हार की जीत' कहानी से क्या शिक्षा भीतरी है?

(ग) बाबा भारती के चोड़े के विषय में कुछ वाक्य लिखिए।

(घ) 'हम लदा समुद्र के उपवन के' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न ३. कोष्ठक से सबी शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए। (3)

(क) मैंने चर जाने का ............ किया। (निश्चित , निरंतर)

(ख) गाँधी के संदेशों ने हमें बहुत ............किया है। (प्रभाव ,प्रभावित)

(ग) हमें विज्ञान से ............ जानकारी होनी चाहिए। (सम्बन्ध, सम्बन्धित)

प्रश्न-४. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए।

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

सुज्ब, लिप्सा, सामर्थ्यवाद, सम्भाव्य
2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।
जटिल, महान, निर्मल, सुक्स्म

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।
पक्षी, मीन, सेना, कमल

4. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए।
लड़का, निज, गद्दा, धकना

5. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।
कम खाने वाला, अभिनय करने वाला, जो कम बोलता हो,
तप करने वाला।

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पुक्के गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(8)

वृक्षों के अभाव में जीवन संभव ही नहीं है। वृक्षरोपित पृथ्वी पर हम जीवन की कल्यना ही
नहीं कर सकते। पृथ्वी पर जीवन इन खेत-पौधों के कारण ही सुरक्षित है। तमी जीवधारियों
को जीवनदायिनी इन्हीं से प्राप्त होती है। मानव जीवन विकसित होने से पहले ही पृथ्वी
पर वनस्पति जमात विकसित हो चुका था। आदि मानव वनों से प्राप्त कंद-मूल और फल खा
कर गुजर-बसर करता था। वृक्षों के पत्तों से अपना शरीर दंकता था। वृक्षों की खों में
टहलियों पर ढोकर हिंसक प्राणियों से अपनी रक्षा करता था। जिन वृक्षों के कारण मानव
सुरक्षित है, आज वह उन्हीं का श्रद्धा बन गया है अपने लाभ के लिए वह अंधाबुध वृक्षों कटाई
में लगा हुआ है। वन संपदा चीरे-चीरे नष्ट होती जा रही है। आज मानव का उद्देश्य सिर्फ
धन कमाना रह गया है। वह इस बात पर विचार ही नहीं करता कि वन संपदा नष्ट होने से
संपूर्ण मानव जाति को खतरा पैदा हो गया है।

1. पृथ्वी पर जीवन किसके कारण सुरक्षित है?
2. मानव जीवन विकसित होने से पहले पृथ्वी पर कौनसा विकसित हो चुका था?
3. वन संपदा आज क्यों नष्ट हो रही है?
4. आदि मानव क्या खाता था और कहाँ रहता था?

……………………………………